हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 24 | लखनऊ, 28 मई, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

भारतीयों को मिला नया संसद भवन, पीएम बोले-

भारत के संकल्प की दृढ़ता फिर देख रही पूरी दुनिया

नई दिल्ली। पीएम मोदी बोले स्वतंत्र भारत के पास अब अपनी आकांक्षाओं के मुताबिक तामीर की गई संसद का भवन है। नए भवन में 1.40 अरब से ज्यादा जनसंख्या वाले विविधताओं से भरे देश के व्यापक जनप्रतिनिधित्व का समावेश साकार हो सकेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम सभी 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प ही, इस नई संसद की प्राण-प्रतिष्ठा है। नया संसद भवन राष्ट्र को समर्पित करते हुए पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि यहां होने वाला हर निर्णय, भारत के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। पीएम मोदी ने कहा, आज एक बार फिर पूरा विश्व, भारत को, भारत के संकल्प की दृढ़ता को, भारतीय जनशक्ति की जिजीविषा को, आदर और उम्मीद से देख रहा है। संसद का ये नया भवन, भारत के विकास से, विश्व के विकास का भी आह्वान करेगा। ये संसद देश की जिस समृद्ध संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है, उसका उद्घोष करती है-

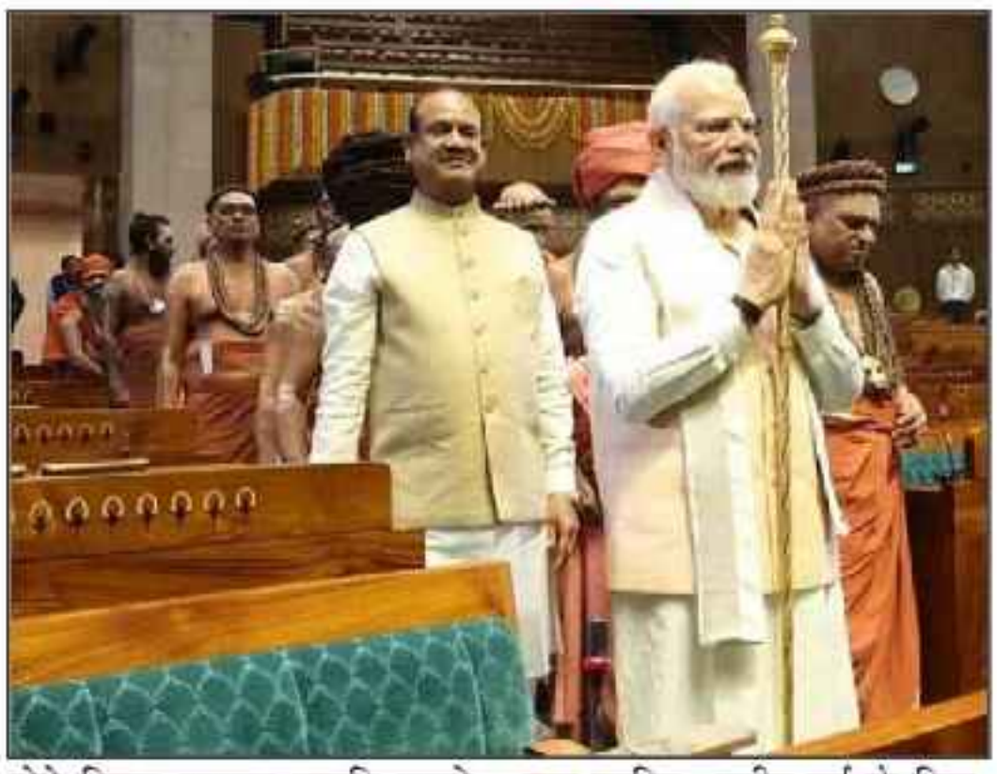

शेते निपद्य-मानस्य चराति चरतो भग: चरैवेति, चरैवेति-चरैवेति॥ कहने का तात्पर्य जो रुक जाता है, उसका भाग्य भी रुक जाता है। लेकिन जो चलता रहता है, उसी का भाग्य आगे बढ़ता है, बुलंदियों को छूता है। और इसलिए, चलते रहो, चलते रहो। आज़ादी का ये अमृतकाल अनंत सपनों, असंख्य आकांक्षाओं को पूरा करने का अमृतकाल है। इस अमृतकाल का आह्वान है- मुक्त मातृभूमि को नवीन मान चाहिए/ नवीन पर्व के लिए, नवीन प्राण चाहिए/ मुक्त गीत हो रहा, नवीन राग चाहिए/ नवीन पर्व के लिए, नवीन प्राण चाहिए।

ये नौ साल, भारत में नव निर्माण के रहे हैं, गरीब कल्याण के रहे हैं। आज हमें संसद की नई इमारत के निर्माण का गर्व है। हमने देश में 30 हजार से ज्यादा नए पंचायत भवन भी बनाए हैं। यानि, पंचायत भवन से लेकर संसद भवन तक, हमारी निष्ठा एक समान है।

यज्ञ के साथ नवीन संसद भवन का उद्घाटन

हवन और मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई संसद का उद्घाटन किया। पूजन के बाद तमिलनाडु के मठों से आए पुरोहितों (अधीनम) ने मोदी को राजदंड सौंपा। प्रधानमंत्री ने साष्टांग प्रणाम के बाद इसे संसद में स्पीकर की कुर्सी के बगल स्थापित किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला उनके साथ थे।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी हुई

राजदंड (सेंगोल) की स्थापना के बाद मोदी ने श्रमयोगियों का सम्मान किया, जो संसद के निर्माण में शामिल थे। इसके बाद सर्वधर्म सभा हुई। प्रार्थना सभा में केंद्रीय मंत्री और अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री भी साथ रहे ।

मैंने कभी ये नहीं सोचा था, नए संसद भवन के उद्घाटन पर भावुक हुए देवेगौड़ा

नई दिल्ली। देवेगौड़ा ने कहा कि एक आम भारतीय जीवन में एक ही बार घर का निर्माण करता है और गृह प्रवेश बेहद ही पवित्र पल होता है। उसी तरह एक देश के लिए भी यह एक दुर्लभ क्षण है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के नए भवन का उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक मौके पर जेडीएस चीफ एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। देवेगौड़ा संसद की अगली पंक्ति में बैठे दिखाई दिए। देवेगौड़ा ने संसद के नए भवन के उद्घाटन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि उन्होंने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी।

ये मेरा सौभाग्य: पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि %यह मेरा सौभाग्य है कि मैं भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बना।

मैं 1962 में कर्नाटक विधानसभा पहुंचा था और 1991 तक विधानसभा का सदस्य रहा। मैं 32 साल पहले इस महान सदन का सदस्य बना था और मैंने कभी नहीं सोचा था मैं देश का प्रधानमंत्री बनूंगा और ये भी नहीं सोचा था कि इतने लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन का हिस्सा रहूंगा।

यह देश के लिए दुर्लभ क्षण

देवेगौड़ा ने कहा कि इससे भी बड़ी हैरानी की बात ये है कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं संसद के नए भवन में बैठूंगा। मैं 91 साल की उम्र में ये भी कर रहा हूं। नए संसद भवन के उद्घाटन की अहमियत बताते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि एक आम भारतीय जीवन में एक ही बार घर का निर्माण करता है और गृह प्रवेश बेहद ही पवित्र पल होता है। उसी तरह एक देश के लिए भी यह एक दुर्लभ क्षण है।

भारत के लोग बहुत समझदार

जेडीएस चीफ ने कहा कि आजादी के बाद हमारी संसद ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने अहंकार और विनम्रता भी देखी है और जीत और हार भी देखी है लेकिन इसने हमेशा बैलेंस बनाकर रखा और देशवासियों की उम्मीदों को पूरा किया। वयोवृद्ध नेता ने कहा कि भारत के लोग बहुत समझदार हैं, अगर वह देखते हैं कि कोई हमारे देश के संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है तो वह चुपचाप ऐसे लोगों को इस महान सदन से बाहर कर देते हैं। बता दें कि संसद के नए भवन का 20 से ज्यादा विपक्षी पार्टियों ने बहिष्कार किया। हालांकि कई राजनीतिक पार्टियों के नेता इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इन्हीं में जेडीएस चीफ एचडी देवेगौड़ा, वाईएसआर चीफ जगन मोहन रेड्डी, बीजद नेता नवीन पटनायक आदि मौजूद रहे।

जेसीपी ने दो अपराधियों को किया जिला बदर

लखनऊ। एसीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी के कोर्ट से शुक्रवार को दो अपराधियों को जिला बदर करने का आदेश पारित हुआ। 3 और 4 माह की अवधि के लिए अपराधियों के जिले की सीमा में आने पर रोक लगाई गई है। जेयेष्ठ अभियोजन अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया चिनहट कंचनपुर मटियारी निवासी संदीप यादव उर्फनन्ना को तीन महिने के लिए जिला बदर किया गया हैं।

सम्पादकीय

आजम खां को मिला इंसाफ

समाजवादी पार्टी के नेता श्री आजम खां को 'सांसद-विधायक अदालत' से जो राहत मिली है, वह इस बात का प्रमाण है कि देश की निचली जिला स्तर की अदालतों में भी किसी भी व्यक्ति या पक्ष की सुनवाई पूरी तरह इंसाफपसन्द तरीके से होती है। उत्तर प्रदेश के रामपुर के अतिरिक्त सेशन जज ने जिस तरह सबूतों व अन्य साक्ष्यों के अभाव में श्री खां को निचली अदालत द्वारा सुनाये गये फैसले से निजात दी है उसने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत में न्याय आदमी का चेहरा देखकर नहीं किया जाता। श्री आजम खां को ही निचली अदालत द्वारा सुनाये गये फैसले पर की गई अपनी तल्ख टिप्पणी पर अफसोस जाहिर करना भी बनता है। बेशक यह फैसला 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान एक नफरती बयान को लेकर दिया गया था जिससे समाज में हिंसा व वैमनस्य को बढ़ावा मिलने की आशंका थी। निचली अदालत के मजिस्ट्रेट ने उस बयान के लिए उन्हें कुसूरवार माना और तीन साल की सजा सुनाई जिसके नतीजे में उनकी लोकसभा की सदस्यता भी जाती रही और उनकी सीट पर उपचुनाव हुआ जिसमें भाजपा का प्रत्याशी विजयी रहा। हालांकि श्री खां आरोप लगाते रहे कि उनके समर्थकों को इस उपचुनाव में पुलिस व प्रशासन ने वोट ही नहीं डालने दिया। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस उपचुनाव में मतदान का प्रतिशत औसत से बहुत ही कम रहा था परन्तु लोकतन्त्र में जीत तो जीत ही होती है। इसे दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में लगातार दस बार विधायक रहने वाले श्री आजम खां पहली बार 2019 में सांसद बने तो उनके खिलाफ निचली अदालत का विवादास्पद बयान के बारे में यह फैसला आ गया था और उनकी सांसदी कानून के तहत जाती रही। अब विधि विशेषज्ञों के लिए यह मामला एक अध्ययन का विषय हो सकता है कि किसी मामले में दो साल या उससे अधिक की सजा मिलने के बाद संसद सदस्यता जाने पर फैसला पलटने पर बेजुर्म साबित होने से क्या कानूनी कार्रवाई संसद सदस्यता को लेकर हो सकती है? क्योंकि विगत वर्ष 27 अक्तूबर को जैसे ही निचली दालत में नफरती बयान का कुसूरवार मानते हुए मजिस्ट्रेट ने उन्हें तीन साल की सजा सुनाई थी तो अगले दिन ही उनकी संसद की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी और फिर उपचुनाव भी बहुत जल्दी करा दिया गया था। हालांकि वर्तमान लोकसभा का कार्यकाल अब एक वर्ष से भी कम का रह गया है मगर एक कानूनी सवाल तो खड़ा हुआ है ही। मगर इसके साथ यह भी हकीकत है कि श्री आजम खां अपनी तल्ख और तुर्श बयानी के लिए भी मशहूर रहे हैं हालांकि उनके ये बयान हिन्दू सम्प्रदाय के कुछ उग्र लोगों द्वारा दिये गये बयानों के जवाब में ही ज्यादा आया करते थे मगर ऐसा भी कई बार देखा गया कि वह भारत के विविध धर्मी समाज के लोगों के बीच मजहबी आकीदों को लेकर निन्दनीय बयान तक दे डालते थे। उनकी यह राजनीति समाजवादी पार्टी के लिए मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों में इसके लिए आसरा जैसी जरूर बनती गई लेकिन इससे उत्तर प्रदेश लगातार साम्प्रदायिक राजनीति के आगोश में ही फंसता रहा। गौर से देखा जाये तो उन्हें समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह ने अपना विश्वास पात्र बनाया और उनकी राजनीतिक आकांक्षाओं को हवा भी दी। कुछ राजनैतिक पंडितों का यह भी मानना रहा है कि यदि 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराये जाने के बाद समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह व आजम खां की जोड़ी न होती तो मुस्लिम समुदाय उग्रवाद की तरफबढ़ सकता था। उस दौर में इस जोड़ी ने मुस्लिमों को सांत्वना देने का काम किया। फिर भी यदि इसका श्रेय किसी को दिया जा सकता है तो वह अकेले मुलायम सिंह को दिया जा सकता है क्योंकि उत्तर प्रदेश की जमीन पर उन्होंने मुस्लिमों में अपने नेतृत्व के प्रति विश्वास पैदा करने में सफलता प्राप्त की। उनके सुपुत्र अखिलेश यादव आज अपने पिता की राजनैतिक कमाई ही खा रहे हैं। वैसे आजम खां ने 2012 में मुलायम सिंह की उपस्थिति में ही समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव जीतने पर अखिलेश यादव के मुकाबले मुख्यमन्त्री पद पर अपना दावा ठोक दिया था क्योंकि वह मानते थे कि समाजवादी पार्टी का मजबूत जनाधार तैयार करने में उनकी प्रमुख भूमिका को मुलायम सिंह नजरंदाज नहीं कर सकते। इस मौके पर उन्होंने एक तल्ख टिप्पणी भी की थी कि 'आज यह जमाना आ गया है कि मुलायम सिंह के बेटे को भी हमें अपना नेता बनाना पड़ रहा है'। कांग्रेस पार्टी से अपना राजनैतिक सफर शुरू करने वाले आजम खां ने सबसे ज्यादा नुकसान भी इसी पार्टी को पहुंचाया और अपने शहर रामपुर से ही रामपुर के नवाब की बेगम नूर बानो तक को राजनीति में हरा डाला। हालांकि बेगम नूर बानो रामपुर इलाके के लोगों में आज भी बहुत लोकप्रिय हैं और दो बार रामपुर से ही कांग्रेस के टिकट पर सांसद रह चुकी हैं।

संसद भवन के उद्घाटन पर राजनैतिक विवाद

सेंट्रल विस्टा यानी भारत के नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को होना है और केंद्र की मोदी सरकार ने फैसला लिया है कि प्रधानमंत्री मोदी के हाथों उद्घाटन कराया जाएगा। इससे पहले इस भवन का शिलान्यास भी श्री मोदी ने ही किया था। नए संसद भवन का यह उद्घाटन कार्यक्रम पहले इस वजह से विवाद में आया कि सावरकर जयंती के दिन उद्घाटन कर मोदी सरकार क्या संदेश देना चाहती है। अब इस सवाल पर राजनैतिक बहस छिड़ गई है कि संसद भवन का उद्घाटन किसके हाथों होना चाहिए, राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री। और जैसा कि हर राजनैतिक बहस में होता है, बात तर्क-वितर्कों से होते हुए कुतर्कों तक ले जाई जा रही है। कांग्रेस, राकांपा, तृणमूल कांग्रेस, आप, सपा, राजद, जदयू, माकपा, भाकपा जैसे कई दलों का मानना है कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया है कि, राष्ट्रपति से संसद का उद्घाटन न करवाना और न ही उन्हें समारोह में बुलाना- यह देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है। संसद अहंकार की ईंटों से नहीं, संवैधानिक मूल्यों से बनती हैय। इस मसले पर एक जैसी राय रखने वाले तमाम दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के बहिष्कार का ऐलान किया है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के वकील सीआर सुकिन ने शीर्ष अदालत में जनहित याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति को उद्घाटन समारोह से बाहर करके, सरकार ने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया है। याचिका में मांग की गई है कि उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों कराया जाना चाहिए। देश की संसद महज कांक्रीट की इमारत नहीं होती है, आम नागरिकों की उम्मीदों का प्रतीक होती है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि यहां बैठकर, जनहित और देशहित के मसलों पर सार्थक चर्चा करेंगे, उचित फैसले लेंगे। इसलिए संसद भवन कई सौ कमरों की सर्वसुविधायुक्त इमारत हो या कोई साधारण सा मकान हो, असल मुद्दा तो ये है कि वहां लोकतंत्र धड़कता हुआ, अपने जिंदा होने पर खुश दिखाई देना चाहिए। अगर सारे तामझाम के नीचे लोकतंत्र कराहता हुआ दिखाई दे, तो समझ लेना चाहिए कि कहीं कुछ गलत है। देश में विपक्ष जब किसी मुद्दे पर अपना विरोध जाहिर करता है, तो यह लोकतंत्र के धड़कने की निशानी है। और सत्तापक्ष जब हर विरोध को देशभक्ति और राष्ट्रवाद से जोड़ने की कोशिश करे, तो यह लोकतंत्र के टूटने की पहचान है। संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से ही क्यों करवाना चाहिए, इसके लिए विपक्ष के पास पुख्ता तर्क हैं। विपक्ष संविधान के हवाले से बता रहा है कि राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद है। संविधान राष्ट्रपति को कार्यकारी, विधायी, न्यायपालिका, आपातकालीन और सैन्य शक्तियां प्रदान करता है। विधायी शक्तियों में संसद के दोनों सदन, लोकसभा और राज्यसभा शामिल हैं। संविधान का अनुच्छेद-79 कहता है कि देश के लिए एक संसद होगी। इसमें राष्ट्रपति और दो सदन -राज्यसभा और लोकसभा शामिल होंगे। संविधान के अनुच्छेद-74 (1) में कहा गया है, राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री के साथ एक मंत्रिपरिषद होगा जो उनके कामों में मदद करेगा। आर्टिकल-87 कहता है कि प्रत्येक संसदीय सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। संविधान के इन प्रावधानों के मद्देनजर कांग्रेस का तर्क है कि संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री के। विपक्षी दलों के बहिष्कार के बीच संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्षी दलों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें। श्री जोशी ने कहा कि स्पीकर संसद का संरक्षक होता है और स्पीकर ने ही प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया है। पहले भी जो प्रधानमंत्री थे, उन लोगों ने भी बहुत सी इमारत वगैरह के उद्घाटन किए हैं। ऐसा कारण देकर इस तरह से कार्यक्रम का बहिष्कार करना ठीक नहीं है। लेकिन मुद्दा तो यही है कि बहुत सी इमारतों और संसद भवन में जो फर्क है, भाजपा उसे क्यों नहीं देख रही है। अगर प्रधानमंत्री को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया था, तो क्या यह श्री मोदी की जिम्मेदारी नहीं है कि वे इसके लिए अपनी जगह राष्ट्रपति मुर्मू के नाम का प्रस्ताव देते। इससे पहले राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन भी मोदीजी ने ही किया था, जबकि तीनों सेनाओं की सुप्रीम कमांडर राष्ट्रपति हैं। वैसे भी नोटबंदी से लेकर जीएसटी की घोषणा और ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने से लेकर रोजगार के नियुक्ति पत्र बांटने का सारा काम मोदीजी ही कर रहे हैं। बेहतर होता भाजपा संसद भवन के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित करती, और मोदीजी वहां उपस्थित होते ही। अब प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगी तो प्रोटोकॉल के तहत राष्ट्रपति वहां मौजूद नहीं होंगी। यानी जिस संसद का वे अनिवार्य हिस्सा हैं, उसके उद्घाटन पर वे नहीं होंगी। यह स्थिति क्या लोकतंत्र के लिए अच्छी है, ये सवाल भाजपा को खुद से करना चाहिए। लेकिन अभी कुछ भाजपा नेता पुराने प्रकरणों की याद दिला कर कांग्रेस को गलत साबित कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस संविधान का गलत हवाला दे रही है। प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी ने 24 अक्टूबर, 1975 को पार्लियामेंट एनेक्सी का उद्घाटन किया और राजीव गांधी ने 15 अगस्त 1987 को पार्लियामेंट लाइब्रेरी की आधारशिला रखी थी। कुछ नेताओं ने यह भी याद दिलाया कि छत्तीसगढ़ में नए विधानसभा भवन का शिलान्यास सोनिया गांधी ने किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मणिपुर की राजधानी इंफाल में नए विधानसभा परिसर और सिटी कन्वेंशन सेंटर समेत कई भवनों का शुभारंभ किया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश विधानसभा के नए केंद्रीय कक्ष का उद्घाटन किया था। मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और तमिलनाडु के सीएम एम करुणानिधि ने नए विधानसभा परिसर का उद्घाटन किया था. और इन कार्यक्रमों में राज्यपाल को नहीं बुलाया गया था। लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल के पदों, अधिकारों और शक्तियों में बड़ा अंतर है। दोनों को एक पलड़े पर नहीं रखा जा सकता। राष्ट्रपति देश के प्रथम नागरिक हैं। राष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं। जबकि राज्यपाल मनोनीत होते हैं। इसलिए विधानसभा या विधानसभा के किसी केंद्र या कक्ष का उद्घाटन राज्यपाल न करें तो उससे फर्क नहीं पड़ता। मगर राष्ट्रपति की जगह प्रधानमंत्री से संसद भवन का उद्घाटन करवाया जाए, इससे देश की संवैधानिक व्यवस्था पर फर्क पड़ता है।

विषम परिस्थिति पर नियंत्रण जिंदगी की सफलता का मार्ग

संजीव ठाकुर

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास

किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए।

मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है।

जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुन: साहस के साथ पुन:तैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है।

जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

दलदल से बचाव

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हमारे समाज के चंद लोग पैसा कमाने की हवस में इतना गिर जाते हैं कि किसी दूसरे की जिंदगी तबाह करने में भी उफनहीं करते। इससे बड़ा कोई अपराध नहीं हो सकता कि किसी के लालच से बेहतर भविष्य की आस में अपनी सारी जमा-पूंजी जुटाकर काम की तलाश में विदेश जाने वाली कमजोर वर्ग की महिलाओं का जीवन नारकीय बना दिया जाये। कहां तो महिलाएं विदेशों में सुनहरे सपने पूरे करने गई थी और कहां दलालों की दलदल में फंसकर उनका जीवन दुरूस्वप्न में बदल गया। पिछले दिनों एक विचलित करने वाला वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ जिसमें कुछ भारतीय महिलाएं जीवन बचाने की गुहार लगा रही थी। जिसके बाद भारतीय अधिकारियों ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। जिसके बाद पंजाब की 35 महिलाओं में से पांच को बचाने हेतु कार्रवाई हुई। इन महिलाओं का आरोप था कि एजेंटों ने उन्हें धोखे से गलत लोगों के पास भेज दिया। ये महिलाएं ओमान में फंसने और शोषण होने की बात कह रही थी। इन महिलाओं ने न केवल जमा-पूंजी एजेंटों के हाथ गवांयी बल्कि उन्हें अकथनीय शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना का भी शिकार होना पड़ा है। इस तरह खाड़ी देशों में अच्छी कमाई करके अपने परिवारों की मदद करने के उनके सपने चकनाचूर हो गये। अधिकारियों के हस्तक्षेप से हुई कार्रवाई में आठ महिलाएं बुधवार को वापस घर आ गई। शेष बची महिलाओं को भी नारकीय जीवन से मुक्त कराने के प्रयास जारी हैं, जो एजेंटों के द्वारा ठगे जाने के बाद खाड़ी देशों में शोषण का शिकार हैं। इस घटना ने एक बार फिर बेलगाम कबूतर बाजी पर लगाम लगाने और इस क्षेत्र को अधिक पारदर्शी बनाने की जरूरत पर बल दिया है। अन्यथा भविष्य में अमानवीय घटनाओं का अंतहीन सिलसिला जारी रहेगा। कानून की सख्ती ही व्यवस्था में बदलाव में सहायक साबित होगी। निस्संदेह, बार-बार ऐसे मामलों के उजागर होने के बाद जहां सरकार द्वारा विदेश जाने की व्यवस्था से जुड़े पहलुओं का सख्ती से नियमन करना जरूरी है, वहीं लोगों को भी सचेत करने की जरूरत है। इस बाबत पूरे देश में जन जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता है। जरूरी है कि हवाई अड्डे के अधिकारियों को बोर्डिंग से पहले गरीब व अशिक्षित महिलाओं की पहचान करनी होगी। उन्हें आगे आने वाले खतरों के प्रति सचेत करना होगा। उन्हें संवेदनशील ढंग से समझाया जाना चाहिए कि विदेश में काम करने के दौरान उन्हें किन-किन अमानवीय स्थितियों से भी गुजरना पड़ सकता है। इसके अलावा कुकरमुत्तों की तरह उग आई विदेश भेजने वाली कंपनियों व एजेंटों के लिये सख्त नियामक मानदंड तय करने होंगे। इन दिनों सोशल मीडिया पर विदेश भेजने वाले बिचौलियों के भ्रामक विज्ञापनों का जाल बिछा रहता है। दलालों और भ्रामक विज्ञापन देने वालों पर सख्ती से नकेल कसने की जरूरत है। ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं के लिये आईना भी हैं कि क्यों देश के युवा हाथों को काम नहीं दे पा रहे हैं। चुनाव के दौरान सब्जबाग दिखाने वाले नेता अपने घोषणापत्रों को हकीकत क्यों नहीं बना पाते। वहीं मानव तस्करी में लिप्त लोगों के लिये कड़ी सजा के प्रावधान करने की सख्त जरूरत है।

जब आपराधिक कृत्य में लोगों को कड़ी सजा मिलेगी तो दूसरे दलालों के लिये ये नजीर का काम करेगी। तभी युवाओं व महिलाओं के जीवन से खिलवाड़ करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा। खासकर उन अशिक्षित व अर्द्ध साक्षर महिलाओं को बचाने के लिये जिन्हें कारखानों में मजदूरी व घरेलू नौकरी के लिये बरगलाया जाता है। जिन्हें महज अल्पकालिक वीजा पर विदेश भेजा जाता है। वहां पहुंचकर उनके पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज दलाल या नियोक्ता ले लेते हैं। जल्द ही वीजा की अवधि समाप्त होने पर उनका वहां रहना अवैध हो जाता है।

नियामतउल्ला रोड में बनी अवैध झुग्गी-झोपड़ियां बदल रही पक्के निर्माण में

लखनऊ (यूएनएस)। शहर में तेजी के साथ बढ़ती अवैध झुग्गी झोपडियां अब न सिर्फधीरे-धीरे पक्के निर्माण में बदलती जा रही है, बल्कि यहां रहने वालों को बिजली, पानी और शौचालय आदि आम जरूरतों से जुड़ी सुविधायें मिल रही है। जब यह मामला शहर के बीचो बीच मे हो तो यह और गम्भीर हो जाता है, हम बात कर रहे है शहर के सबसे व्यस्त रहने वाले अमीनाबाद क्षेत्र स्थित नियामत उल्ला रोड की, जहां वर्षों से बनी झुग्गी-झोपडियां न सिर्फ एक-एक करके पक्के निर्माण में बदलती जा रही है। बल्कि महिला विद्यालय की बाउण्ड्रीवाल से लगे होने के कारण विद्यालय में बने हॉस्टल की सुरक्षा के लिये सबसे बड़ा खतरा भी बनती जा रही है। यहां उच्च प्राथमिक विद्यालय और कूड़ा घर के इर्द-गिर्द बनी दो दर्जन के आसपास झुग्गी झोपडियों में रहने वालों ने सड़क पर जल कनेक्शन करवाने के साथ एक शौचालय का निर्माण करवा रखा है।

यानी इन अवैध झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालों को सरकार के सम्बन्धित विभागों की छत्रछाया में पूरी सुविधा के साथ रह रहे है। बताया जा रहा है कि कुछ वर्ष पहले बिजली विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से अवैध रूप से बिजली सप्लाई की जा रही थी, हालांकि अब हर घरों पर मीटर लगा दिये गये है, लेकिन सवाल उठता है अवैध झुग्गी झोपड़ियों में बिजली कनेक्शन किस आधार पर दिये गये है। यही नहीं इन अवैध झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले रात में अपने-अपने ई-रिक्शा को चार्ज करते है, अर्थात कई लोगों ने अपने ई-रिक्षा भी खरीद रखे है, और कुछ ने तो मीट की दुकानें भी खुलवा रखी है। इसी तरह आम सड़क पर जल कनेक्शन और शौचालय का निर्माण कैसे हो गया, जो सम्बन्धित विभागों पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। आमतौर पर किसी भवन के नवनिर्माण शुरू होते पुलिस, नगर निगम, लखनऊ विकास प्राधिकरण, जल संस्थान और बिजली विभाग के कर्मचारी नियम कानून और षिकायत होने का हवाला देकर पहुचने वालों की आंखों पर इन अवैध झुग्गी झोपड़ियों के हो रहे पक्के निर्माण को लेकर पट्टी क्यों बंध जाती है। कुल मिलाकर इन अवैध झुग्गी झोपड़ियों को हटाकर यहां रहने वालों को कही और विस्थापित नहीं किया गया है तो आने वाले समय क्षेत्र के लिये एक नई परेशानी का कारण बन सकती है।

लखनऊ की नवनिर्वाचित मेयर सुषमा खरकवाल ने ली शपथ, इसके बाद उन्होंने पार्षदों को दिलाई शपथ

लखनऊ समेत प्रदेश के कई शहरों में शुक्रवार 26 मई को शहर की सरकार ने शपथ ग्रहण करना शुरू कर दिया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में कमिश्नर रोशन जैकब ने भाजपा की नवनिर्वाचित मेयर सुषमा खर्कवालको शपथ ग्रहण कराया। इसके बाद मेयर ने सभी पार्षदों को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण करने के बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि सेवा का अवसर प्रदान करने के लिए हम लखनऊ की जनता का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 32 वर्षों से लखनऊ की जनता का अटलजी पर विश्वास बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अटल जी ने जो पौधा लगाया था।

आज लखनऊ के रूप में वो विशाल वृक्ष के रूप में खड़ा है। कहा कि लखनऊ को देश के बेहतरीन शहरों में से एक बनाएंगे। साथ ही मौजूद लोगों से स्वच्छता के प्रति सभी को शपथ दिलाया।

उन्होंने कहा कि 4 प्रतिज्ञाओं के साथ हम और हमारे पार्षद साथी काम करेंगे।कार्यक्रम में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री महेंद्र नाथ सिंह, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, विधायक नीरज बोरा ,विधायक आशुतोष टंडन, कमिश्नर रोशन जैकब ,डीएम सूर्यपाल गंगवार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पार्षद कामरान बेग , पार्षद मुसाविर अली मंशू , पार्षद अनूप कमल सक्सेना, पार्षद हिमांशु अंबेडकर, पार्षद सुशील तिवारी पम्मी , पार्षद अरुण कुमार राय , और गौरव सिंह ने मीडिया कर्मियों से बात कर अपने वार्ड की मूलभूत समस्याओं को दूर कर और ज्यादा बेहतर किस प्रकार बनाया जाए इसके बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों की सुरक्षा के लिये एक शब्द भी नहीं बोला: प्रमोद तिवारी

लखनऊ (यूएनएस)। प्रमोद तिवारी सांसद, उप नेता, राज्य सभा एवं सदस्य कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी ने कहा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी आस्ट्रेलिया यात्रा पर ऐतिहासिक उपलब्धियों से परिपूर्ण भारत-आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ निरन्तर प्रगाढ़ सम्बन्धों का एक साल में 6 मुलाकातों का जिक्र करते हुये नहीं थक रहे थे। प्रधानमंत्री का एयरपोर्ट पर भारतीय जनतापार्टी द्वारा प्रायोजित भव्य स्वागत भी कराया गया। श्री तिवारी ने कहा है कि जब प्रधानमंत्री का विमान आस्ट्रेलिय से भारत के रास्ते में आसमान में था उसी समय आस्ट्रेलिया के दो नामी विश्व विद्यालयो, विक्टोरिया स्थित फेडरेशन यूनिवर्सिटी और न्यू साउथ वेल्स स्थित वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने भारत के युवा विरोधी निर्णय की घोषणा कर दी, और यह आदेश भी जारी कर दिया कि भारत के जम्मू काश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश व गुजरात के छात्रों को आस्ट्रेलिया में पढ़ाई शिक्षा ग्रहण करने पर प्रति बन्ध लगा दिया। यही नहीं पिछले महीने भी आस्ट्रेलिया के 5 विश्व विद्यालयों ने ऐसा ही प्रतिबन्ध भारतीय छात्रों पर लगाया था। श्री तिवारी ने कहा है कि यह बात कांग्रेस के समय से चली आ रही थी कि भारत के छात्र आस्ट्रेलिया में जाते थे वहाँ पढ़ाई करते थे ओर आस्ट्रेलिया के नव निर्माण में आवश्यकतानुसार अपना सहयोग भी देते थे। और जब मैं स्वयं आस्ट्रेलिया गया था तो वहाँ भारतीय छात्र जो वहाँ पढ़ रहे थे, वे हमारे शिष्ट मण्डल से मिले थे। स्मरणीय है कि आस्ट्रेलिय में सैकड़ों साल, जैसे भारत वर्ष- अण्डमान निकोबार द्वीप में कैदियों को भेजता था और जेल में रखता था, वैसे ही यूरोप सहित कई देश अपने कैदियों को आस्ट्रेलिया में छोंड़ देते थे क्योंकि वहाँ से लौटकर आना मुश्किल था। आस्ट्रेलिया एक द्वीप की तरह है जिसके हजारों किमी तक कोई अन्य देश नहीं है। समय के साथ आस्ट्रेलिया में दूसरे देश के लोग आते रहे, वहाँ बसते रहे और आज आस्ट्रेलिया का जो विकसित नव निर्माण हुआ है और नया आस्ट्रेलिया बना है उसमें भारत वासियों सहित यूरोप के खून पसीने से आधुनिक आस्ट्रेलिया का नव निर्माण हुआ है। आस्ट्रेलिया के मूल निवासी बहुत कम व्यापार और नौकरी में है उन्हें आस्ट्रेलियन सरकार जीवन यापन के लिये अनुदान देती है। आपकी यात्रा के बाद मेरे उत्तर प्रदेश सहित आपके गुजरात के छात्रों के भविष्य पर पाबन्दी लगा दी गयी है, यह कैसा आपकी यात्रा का कड़ुवा प्रतिफल मिला है ? जो आपके दावे के ठीक विपरीत और उल्टा है। प्रधानमंत्री जी! पिछले 4-5 सालों से वहाँ पर अकारण भारत वासियों पर नस्लीय हमले हो रहे हैं, और अकारण वहाँ भारतीयों पर हमले तो हो रही रहे हैं छात्रों के साथ हिंसक गतिविधियाँ भी हो रही हैं। यही नहीं आस्ट्रेलिया में हमारे मंदिर तोड़े जा रहे हैं, मूर्तियों को खण्डित किया जा रहा है, वहाँ की दीवालों पर आपकी यात्रा के समय भी ''भारत मुर्दाबाद'' के नारे लिखे थे जिन्हें कई इलेक्ट्रानिक चौनलों ने दिखाये थे, आपने स्वयं भी आस्ट्रेलिया में इस पर चिन्ता व्यक्त की थी किन्तु वहाँ के प्रधानमंत्री जी ने मंदिरों, भारतीय छात्रों और भारत के लोगों की सुरक्षा के लिये एक शब्द भी नहीं बोला। प्रधानमंत्री! मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि लाखों भारतीय छात्रों के भविष्य के लिये, वहाँ पर हिन्दुओं की सुरक्षा के लिये और मंदिरों को अतिक्रमण से बचाने के लिये अपने कूटनीतिक सम्बन्धों का प्रयोग कीजिये, और वे 20 हजार भारतवासी जो आपको सुनने आये थे, वे आपकी यात्रा के प्रतिफल से दु:खी हैं।

राजधानी लखनऊ के द पिकाडिली होटल में शुरू हुआ दस दिवसीय शाम-ए-अवध फूड फेस्टिवल

लखनऊ के द पिकाडिली होटल के पंजाब रेस्तरां में शुरू हुआ दस दिवसीय फूड फेस्टिवल शाम-ए-अवध जो दिनांक 26 मई से 04 जून, 2023 तक चलेगा।

फूड एंड बेवरेज से तुषार कांत ने बताया शाम-ए-अवध फूड फेस्टिवल राजधानी में नवाबों के शहर की झलक अवधी परिवेश में पेश करेगा। यह त्योहार लखनऊ के शाही रसोइयों से प्रेरित तरह तरह के स्वादिष्ट एवं सुगंधित अवधी व्यंजनों को बुफे द्वारा परोसा जाएगा। यह फूड फेस्टिवल, अतिथियों को नवाब की रसोई से प्रेरित लजीज कबाब, बिरयानी और विभिन्न प्रकार के करी व्यंजनो से रूबरू करवाएगा.

हमारे मुख्य शेफ श्री अजय अवस्थी द्वारा विशेष रूप से क्यूरेट किए गए मेनू के साथ अवधी की भव्यता को द पिकाडिली के पंजाब रेस्तरां द्वारा पेश किया गया है। इसके साथ इसके साथ यह भी बताया गया कि हर दिन मेन्यू में अलग-अलग व्यंजनों को परोसा जाएगा। पहले दिन के फूड फेस्टिवल में लगभग 32 व्यंजनों को जिसमें वेज , नॉनवेज, सीफूड डिशेज मेहमानों को परोसी गई।

फूड फेस्ट में परोसे जा रहे विशेष अवधी व्यंजन:

ऊल्टा तवा पराठा के साथ गलौटी कबाब, शामी कबाब, राजमा के गलौटी, डिंगारी डोलमा, नवरतन कौरमा, अवधी मुर्ग बिरयानी, वारकी परांठा, शिरमल, ढुंगर काकोरी कबाब, जाफरानी मलाई कोफ्ता, पनीर बेगम बहार, नल्ली निहारी, खुबनी का मीठा, सेवियो का मुजफ्फर, और भी बहुत कुछ। कृपया आएं और अवध के असली स्वाद का आनंद लें सकतें हैं।

पीएमएस रि0 ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महामंत्री को जान का खतरा

यूपी के सरकारी डॉक्टर्स के साथ मारपीट का मुद्दा उठाने पर महामंत्री डॉ आर के सैनी निलम्बित हुए

लखनऊ। राजधानी के यूपी प्रेस क्लब में पीएमएस रि0 ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महामंत्री डॉ आर के सैनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अपनी जान का खतरा बताया है। उन्होंने बताया कि विगत 5 मई को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनपद औरैया की अजीतमल सीएचसी पर सरकारी डॉक्टर्स के साथ मारपीट की। इसकी सूचना मिलने पर पीएमएस एसोसिएशन ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई।

हाईकोर्ट और सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजी गई प्रतिलिपियां दिखाते हुए डॉ सैनी ने कहा कि घटना का संज्ञान ना होने पर मैंने एसोसिएशन की अधिवक्ता नूतन ठाकुर को मामले की जानकारी करने के लिए औरैया भेजा, भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्यवाही करने के बजाए मुझे निलम्बित करते हुए औरैया से सहारनपुर स्थानांतरित कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपनी जान का खतरा बताते हुए महामंत्री डॉ आर के सैनी ने कहा कि यदि मेरी हत्या हो जाती है तो प्रथम दृष्ट्या उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा, रविन्द्र कुमार सचिव, मन्नान अख्तर, विशेष सचिव, सीएमओ औरैया डॉ अर्चना श्रीवास्तव, डीएम औरैया प्रकाश चंद श्रीवास्तव, औरैया डीसीपीएम अजय पाण्डेय और नामजद भाजपा कार्यकर्ता जिम्मेदार होंगे।

गौरतलब है कि पिछले माह ही महामंत्री डॉ आर के सैनी ने औरैया जनपद में घटिया पोछे का कपड़ा खरीदने का मामला उठाया था और समय समय पर पीएमएस एसोसिएशन यूपी के सरकारी डॉक्टर्स के उत्पीड़न के मुद्दे उठाती रहती है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी मायावती, उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

लखनऊ (यूएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड के पार्टी कार्यकर्ताओं से कमियों को दूर कर नये जोश के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राज्यवार संगठन की समीक्षा की श्रृंखला में बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य की समीक्षा के लिए वहां के वरिष्ठ और जिम्मेदार नेताओं के साथ बैठक की। यहां बसपा की ओर से जारी बयान के अनुसार बैठक में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तराखंड राज्य में पार्टी संगठन की मजबूती तथा जनाधार को बढ़ाने संबंधी कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए कमियों को दूर करने पर जोर दिया। बसपा प्रमुख ने कहा कि कमियों को दूर करके नये जोश के साथ आगे बढ़ें और अपने कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड (जब उप्र का बंटवारा नहीं हुआ था) के विकास के लिए बसपा की सरकारों में अनेक आधारभूत कार्य किये गये हैं जिसके कारण पार्टी को आगे बढ़ने की भरपूर गुंजाइश है। उन्होंने अपनी सरकारों में उधम सिंह नगर, बागेश्वर, चंपावत और रुद्रप्रयाग को नया जिला बनाने जैसे कार्यों को भी गिनाया। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि उत्तराखंड सरकार का रवैया जनकल्याणकारी ना होकर लोगों को उजाड़ने के जनविरोधी कृत्य जैसा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिहाज से भी सरकार का दृष्टिकोण व्यावसायिक नहीं है।

कला, संस्कृति और व्यंजनों के संरक्षण में लगे व्यक्तियों को 5 लाख रूपये का मिलेगा अनुदान: जयवीर सिंह

लखनऊ (यूएनएस)। अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय महत्व के जाने माने पर्यटन स्थलों के आसपास 50 किमी के रेंज में उत्तर प्रदेश की स्थानीय पारम्परिक और दुर्लभ होती जा रही लुप्तप्राय कला, संगीत, शिल्प, लोकनृत्य और व्यंजनों के संरक्षण, संवर्धन व पुनर्जीवित करने मे लगे हुए व्यक्तियों व समूह को 5 लाख रूपये तक का एकमुश्त अनुदान दिया जायेगा।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नई पर्यटन नीति में इस आशय की व्यवस्था की गयी है। सांस्कृतिक विविधता के लिए पूरे देश में जाना जाता है। यहां पर विभिन्न प्रकार की लोक कलायें, व्यंजन, भेष भूषा, कला संगीत उपलब्ध हैं। कुछ लोक कलायें विलुप्त की कगार पर पहुंच चुकी हैं। इनका संरक्षण करके भावी पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग इन कलाओं के संरक्षण में लगे हुए व्यक्तियों एवं समूहों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 5 लाख रूपये की धनराशि अनुदान के रूप में देने का निर्णय लिया है। वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किये जाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा संस्कृति विभाग के समन्वय से लुप्तप्राय कला, नृत्य, संगीत, शिल्प, लोकनृत्य और व्यंजनों की सूची प्रकाशित कराई जायेगी। प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाने के लिए संबंधित जिले के जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे गठित जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा संस्तुति प्रदान की जायेगी। यह प्रोत्साहन राशि प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक मण्डल के अधिकतम 10 आवेदकों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जायेगा।

सरोजनीनगर के सभी वृद्धजनों को रामलला के दर्शन कराना मेरा सपना: राजेश्वर सिंह

लखनऊ (यूएनएस)। वृद्धजनों को तीर्थयात्रा कराना ईश्वर की आराधना से कम नहीं है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह निरूशुल्क श्रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्राश् के माध्यम से वृद्धजनों को नियमित तौर पर तीर्थयात्रा करवा रहे हैं तथा उनका स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को श्रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्राश् नौंवी बार ग्राम बेंती से संचालित की गई। जय श्री राम के जयकारे के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। पूरे सफर में श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने की व्यवस्था से लेकर अन्य आवश्यक सुविधाओं के प्रबंध किए गए। अयोध्या पहुंच श्रद्धालुओं ने रामलला के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए। यात्रा के अंत में श्रद्धालुओं को रामचरितमानस की प्रति भेंट स्वरुप दी गई। पूरे सफर के दौरान वालंटियर्स ने सभी का ख्याल रखा तथा उन्हें सफर के दौरान किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी। जनता अपने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की इस विशेष पहल की खूब सराहना कर रही है। बता दें कि रामरथ-श्रवण अयोध्या यात्रा हेतु चलने वाली बसें नियमित अंतराल पर सरोजनीनगर के वृद्धजनों व महिलाओं को ले जाकर नि:शुल्क अयोध्या दर्शन करवाती है जिसका पूर्णतया व्यय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा किया जाता है। इसमें क्षेत्र के वृद्धजनों को घर से लाने-ले जाने की भी सुविधा रहती है। इससे पहले जैती खेड़ा, पिपरसंड, हाइडल चौराहा वृद्धाश्रम, कृष्णा लोक कॉलोनी, हसनपुर खेवली, खुर्रमपुर, नानमऊ और खटोला से श्रद्धालुओं को ले जाकर अयोध्या दर्शन करवाया जा चुका है।

कॉमेडी से भरपूर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म जोगीरा सारा रा रा के कलाकार लखनऊ में

लखनऊ। आज जोगीरा सारा रा रा फिल्म की स्टार कास्ट नवाजुद्दीन सिद्दीकी एवं निक्की तम्बोली, अपनी फिल्म के प्रचार के लिए शहर में मौजूद थे।

फिल्म के बारे में प्रेस वार्ता में बात करते हुए नवाज ने कहा,'जोगीरा सारा रा रा' यह वास्तव में मेरे लिए बहुत अलग फिल्म है।'जोगीरा सारा रा रा' फिल्म में कैरेक्टर का नाम जोगी प्रताप है। यह फिल्म बहुत हल्की-फुल्की और मनोरंजक है जिसे पूरे परिवार के साथ देखा जा सकता है। निक्की तम्बोली ने कहा फिल्म की शूटिंग की प्रक्रिया मेरे लिए एक सुखद यात्रा रही है। मुझे लगता है कि फिल्म के सेट पर यह बहुत महत्वपूर्ण है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं।

आज 26 मई को रिलीज होने वाली यह फिल्म एक ऐसे जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने-अपने परिवारों के दबाव के बावजूद किसी बंधन में नहीं बंधने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी बहुत ही अलग अंदाज में दिख रहे हैं। नवाज की फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' कॉमेडी से भरपूर है। फिल्म में नवाज एक जुगाड़ू के रोल में है और उनके कैरेक्टर का नाम जोगी प्रताप है। इस फिल्म में नवाज कहते नजर आते हैं जोगी का जुगाड़ कभी फेल नहीं होता। नवाज की ये कॉमेडी फिल्म धमाल मचाने वाली है। इस फिल्म में नेहा शर्मा काफी चंचल लड़की के रोल में नजर आ रही हैं। फिल्म में देखा जा सकता है कि नेहा शर्मा नवाजुद्दीन से शादी करने के लिए पीछे पड़ी है, जबकि नवाजुद्दीन उतना ही पीछे हट रहे हैं।

कुशन नंदी के द्वारा डायरेक्टर जोगीरा सारा रा रा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी जोगी प्रताप के रोल में जलवा दिखाते हुए नजर आएंगे। इसके साथ नेहा शर्मा डिंपल के किरदार में दिखेंगी। इन दोनों के अलावा फिल्म में संजय मिश्रा और महाअक्षय चक्रवर्ती, जरीना वहाब भी अपने काम दर्शकों को एंटरटेन करने वाले हैं। संगीत तनिष्क बागची, मीत ब्रदर्स और हितेश मोदार का है।

शपथ ग्रहण के उपरांत आप और सुषमा खर्कवाल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शपथ ग्रहण के उपरांत महापौर सुषमा खर्कवाल ने सर्वप्रथम लखनऊ को हरा भरा बनाने और लखनऊ वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से वृंदावन सेक्टर 10 पार्क में पीपल, बरगद, नीम और आंवला आदि का पौधारोपण किया।

महापौर ने नगर आयुक्त और पार्षदों के साथ मिलकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जिसमें एक पौधा महापौर, एक नगर आयुक्त एवं अन्य 110 पार्षदों के 112 पौधे लगाए गए। पौधारोपण के दौरान महापौर ने कहा की अब मेरी, हमारे नवनिर्वाचित 110 पार्षदों एवं नगर आयुक्त की टीम की जिम्मेदारी है की इन पौधों के संरक्षण के साथ ही लखनऊ को भी और हरा भरा, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से दृण संकल्पित व एकजुट होकर कार्य करेंगे और जल्द ही इस दिशा मे किए गए कार्य जनता को दिखाई देने लगेंगे।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए पौधारोपण अत्यंत जरूरी है इसलिए सभी से अपील करती हूं कि इस अभियान में सभी लोग जुड़े और ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें।

वृक्षारोपण के दौरान नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, क्षेत्रीय पार्षद कौशलेंद्र सिंह, सौरभ सिंह मोनू, रजनी अवस्थी, केएन सिंह, राजेश्वरी त्रिपाठी, बीना सिंह, गणेश जोशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अवैध रूप से संचालित डेरी हटाई गई

लखनऊ। नगर आयुक्त के निर्देशानुसार थाना गुडम्बा जोन-3 अंतर्गत कुर्सी रोड मुख्य मार्ग पर नगर निगम द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध डेरी हटाने का अभियान पुलिस बल, प्रवर्तन दल तथा कैटल कैचिंग कर्मचारियों के सहयोग से पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा के नेतृत्व में चलाया गया। मौके पर कुल 17 भैंस, 02 गाय कुल 19 पशु को पकड़कर नगर निगम द्वारा संचालित ठाकुरगंज कांजी हाउस में निरुद्ध किया गया। जिन्हे नियमानुसार कार्यवाही के बाद ही रिहा किया जायेगा। अभियान के दौरान पशुपालको और महिलाओं द्वारा विरोध भी किया गया।

स्टेटिक ने लखनऊ में ईवी क्रांति का रास्ता खोला: फन रिपब्लिक मॉल में बनाया तेज चार्जिंग वाला स्टेशन

लखनऊ। भारत के सबसे बड़े ईवी चार्जिंग नेटवर्क स्टेटिक ने लखनऊ में वैकल्पिक और स्वच्छ ईंधन आधारित ग्रीन-मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां स्थित लोकप्रिय फन रिपब्लिक मॉल में आम लोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की तेज चार्जिंग वाला स्टेशन स्थापित किया है। स्टेटिक ने इससे पहले हाल में ही यूपी के अन्य प्रमुख शहर बरेली में भी इसी प्रकार का चार्जिंग स्टेशन बनाया था। लखनऊ के इस नए चार्जिंग स्टेशन में 60 किलोवाट के दो डीसी तेज चार्जर लगाए गए हैं। इनमें से प्रत्येक गन केवल लगभग 40 मिनट में ही इलेक्ट्रिक कार को 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकती है। इतना ही नहीं, यहां एक साथ दो कारों को चार्ज किया जा सकता है।

स्टेटिक के इनवेस्टर एंड फ्रेंचाइज रिलेशंस विभाग के प्रमुख श्री इरफान कावूसा ने कहा, हमें लखनऊ में फन रिपब्लिक मॉल में यह तेज चार्जिंग वाला स्टेशन तैयार करके बहुत खुशी हो रही है। फन रिपब्लिक, प्रतिष्ठित एस्सेल समूह की संपत्ति है, इससे यह खुशी दोगुनी हो गई है। मॉल की लोकप्रियता, ज्यादा से ज्यादा लोगों का यहां आना और इसकी बेहतर लोकेशन के कारण यह इस सार्वजनिक तेज ईवी चार्जिंग स्टेशन के लिए एकदम सही जगह थी, जिससे इस शहर के लगातार बढ़ रहे ईवी मालिकों के लिए तेज चार्जिंग की सुविधा को आसान और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराया जा सके।

हालिया आंकड़े संकेत देते हैं कि उत्तर प्रदेस राज्य न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाले ईवी बाजारों में शामिल है, बल्कि यहां देश के सर्वाधिक इलेक्ट्रिक वाहन भी हैं।

श्री कावूसा ने आगे कहा, "हम सरकार के उस संकल्प को भी याद रखे हुए हैं, जिसमें कहा गया है कि आगामी वर्षों में सभी सरकारी विभागों के लिए 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों वाला यूपी पहला भारतीय राज्य बन जाएगा। चूंकि लखनऊ इस प्रदेश की राजधानी है और सरकार यहीं से संचालित होती है, इसलिए जाहिर है कि यहां आगामी वर्षों में ईवी चार्जिंग सेवा की निश्चित रूप से अत्यधिक मांग होगी। इस नजरिए से, सरकार के दृष्टिकोण और लक्ष्यों के अनुरूप आगे बढ़ना, हमें बहुत संतुष्टि प्रदान करता है।

लखनऊ स्थित फन रिपब्लिक मॉल के सलाहकार एवं प्रमुख श्री गिरीश पांडे का कहना है, फन रिपब्लिक मॉल शहर में मनोरंजन के लिए बेहद लोकप्रिय स्थान है। चाहे खाने-पीने का मामला हो या शॉपिंग का, या फिर केवल दोस्तों और प्रियजनों के साथ आरामदायक दिन बिताने यूं ही बाहर जाने की बात हो, लखनऊ के लोग इसी मॉल में आते हैं। लोगों के मनोरंजन के लिए यहां वीक-डेज और वीक-एंड्स पर ढेरों एक्टिविटीज कराई जाती हैं। चार्जिंग बिजनेस के बड़े नाम स्टेटिक ने यहां चार्जिंग स्टेशन बनाया है। इससे मॉल घूमने आने वालों और अन्य ईवी मालिकों को तुरंत चार्जिंग सेवाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध होगी। मॉल की लोकप्रियता के कारण यह ईवी चार्जिंग स्टेशन के लिए एकदम उचित स्थान है।

कंपनी के रूप में, स्टेटिक अपने फ्रेंचाइजीज को व्यावसायिक रूप से लाभदायक फ्रेंचाइज बिजनेस मॉडल उपलब्ध कराती है। जिससे वे लोगों के लिए उनकी रोजमर्रा की चार्जिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ईवी के चार्जिंग स्टेशन स्थापित और संचालित कर सकें। भारत में ईवी के नए-नए संस्करण पेश होने से, निवेशकों के सामने अवसर है कि वे इस नए दौर के ईवी चार्जिंग व्यापार का हिस्सा बनें और सबसे पहले अवसर लपक लेने का लाभ उठाएं। बीते वर्ष, स्टेटिक ने अनेक चार्जिंग स्टेशन तैयार किए, जिससे पहले से ही मजबूत उसके नेटवर्क को और वृद्धि मिल सके। इस वर्ष के अंत तक, स्टेटिक का लक्ष्य लगभग 20 हजार मजबूत चार्जिंग नेटवर्क तैयार करना है। प्रत्येक स्थान को केवल एक ही कारण से चुना गया है - वह यह कि यह अत्यधिक लोगों के आवागमन वाले स्थान पर व्यस्त मार्ग में स्थित हो।

मेदांता हॉस्पिटल ने जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद दर्द मुक्त जीवन हेतु, एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

लखनऊ, मेदांता अस्पताल लखनऊ में गुरुवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को यह जानकारी दी गई कि ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के बाद कैसे वह अपने जीवन में नया बदलाव ला सकते हैं और दर्द मुक्त जीवन जी सकते हैं। इस कार्यक्रम का शीर्षक "रिवाइंड लाइफ" रहा, जिसमें मरीजों, उनके परिजनों व चिकित्सकों समेत 100 से अधिक लोग शामिल हुए।

इस कार्यक्रम की शुरुआत एक मीडिया इंटरेक्शन के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इसमें मेदांता लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर, डॉ राकेश कपूर ने लोगों को ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के महत्व और इससे लोगों के जीवन में होने वाले बदलाव के बारे में जानकारी के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत की।

डॉक्टर कपूर ने इस पर जानकारी देते हुए बताया कि, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी एक सुरक्षित और प्रभावशाली प्रक्रिया है, जिसके द्वारा लोगों को जीवन में नई आस मिलती है और स्वतंत्रतापूर्वक भविष्य में वह जीवन जी सकते हैं, उन्होंने बताया कि जो लोग ऑस्टियोआर्थराइटिस या जॉइंट से संबंधित समस्या से परेशान रहते हैं या फिर इस कारण उन्हें लगातार दर्द की समस्या बनी रहती है, वे लोग ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी से दर्द निवारक जीवन जी सकते हैं।

मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में ऑर्थोपेडिक्स के डायरेक्टर डॉ धर्मेंद्र सिंह ने ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के बाद दर्द मुक्त जीवन जीने पर चर्चा की इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार की ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी प्रक्रियाओं से जुड़े हुए लाभों पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी मरीज के लिए बहुत ही लाभदायक और सफल प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अधिकांश रोगी सर्जरी के कुछ ही महीनों के भीतर ही सामान्य जीवन जी सकते हैं।

इस कार्यक्रम में एक प्रसिद्ध आरजे के द्वारा अंताक्षरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें न केवल मनोरंजन किया गया बल्कि इसके माध्यम से लोगों को खुशहाल जीवन जीने का संदेश भी मिला।

इस कार्यक्रम का समापन एक सम्मान समारोह और रिवाइंड लाइफ वॉरियर्स की कहानियों से इंटरएक्टिव सीजन के साथ हुआ। जिसमें इन संघर्षशील प्रेरणादायक व्यक्तियों की कहानियों को साझा किया गया, जिन्होंने ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के माध्यम से अपने जीवन को दर्द निवारक और लचीलापन बनाया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यहां उपस्थित अन्य सभी लोगों को भी नई प्रेरणा मिली।

इसमें एक रिवाइंड लाइफ वारियर ने कहा कि, मेरी सर्जरी से पहले मुझे इतना दर्द था कि मैं बहुत ही मुश्किल से चल पा रही थी। लेकिन मेरी सर्जरी के बाद अब मैं वो सब कुछ करने में सक्षम हूं, जो मुझे पसंद है। उन्होंने बताया कि अब मैं अपने पोते के साथ खेल भी सकती हूं और अपने पति के साथ बाहर टहलने भी जा सकती हूं।

एक अन्य रिवाइंड लाइफ वॉरियर ने भी अपनी कहानी साझा की और कहा कि, मैं सर्जरी से बहुत डरता था, लेकिन यह मेरे द्वारा लिया गया अब तक का सबसे अच्छा निर्णय था। मैं अपने नए जीवन को वापस पाने के लिए बहुत आभारी हूं।

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद आप कैसे दर्द मुक्त जीवन जी सकते हैं इसको लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इसमें कई अन्य रोगियों और उनके परिवारों के साथ, कई स्वास्थ्य कर्मी भी मौजूद रहे, जिन्हें इस कार्यक्रम के माध्यम से कई महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ, जीवन जीने की नई प्रेरणा भी मिली।

उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन द्वारा हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने किया बजरंगबली के विशाल भंडारे का उद्घाटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन ने जेठ मास के तीसरे शनिवार को राजधानी के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मुख्यालय पर विशाल भण्डारे तथा मेडिकल कैंप का आयोजन किया।

मोहनलालगंज सांसद तथा केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने भण्डारे का उद्घाटन करते हुए इसे गंगा जमुनी तहजीब का पर्याय बताया। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी ने कहा कि पत्रकारों द्वारा इस भण्डारे से दिया जा रहा है। भण्डारे के आयोजक वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वहीद ने कहा कि अली और बजरंगबली दोनों ही समाज के लिए समान रूप से आवश्यक है। भंडारे में सांसद कौशल किशोर , पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, विधायक पश्चिम अरमान खान और लखनऊ के कई गणमान्य लोग सम्मिलित हुए।

सौदागर मोहान विकास समिति द्वारा जेष्ठ माह के शनिवार पर किया गया भंडारे का आयोजन

लखनऊ जेष्ठ माह के शनिवार के अवसर पर सौदागर मोहान विकास समिति द्वारा भंडारे का आयोजन कराया । समिति के संरक्षक अमित कुमार शुक्ला व समिति के पदाधिकारियों ने आए हुए भक्तजनों मे प्रसाद का वितरण किया । और समिति के पदाधिकारियों ने बताया बताया की पिछले 5 वर्षो से समिति द्वारा भंडारे का आयोजन कराया जा रहा है । और समिति द्वारा कई जनमानस की मदद के उद्देश्य से समय समय पर कई कार्य कराए जाते हैं।

भंडारे में कई व्यंजनों को सार्वजिक रूप से राहगीरों को वितरित किया गया। भंडारे में आशीष पांडे ,प्रशांत शुक्ला, प्रतुल गौड़,अंकुर दिक्षित ,पंकज वर्मा बृजेश गुप्ता, रितेश गुप्ता, आशीष गुप्ता ,राजेश के सरवानी, अभिनव श्रीवास्तव, अतुल गुप्ता ,रमेश गुप्ता ,अनुराग केसरवानी ,अभय गुप्ता , विकास श्रीवास्तव , मनीष गुप्ता रमेश शुक्ला अक्षय शुक्ला, श्याम शुक्ला व वह सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शामिल हुए।

यूपी में बेमौसम हो रही बारिश का सिलसिला जारी

लखनऊ (यूएनएस)। यूपी में बेमौसम हो रही बारिश का सिलसिला जारी है। गुरुवार के बाद शुक्रवार सुबह लखनऊ में तेज बारिश हुई। वहीं, कानपुर में सुबह बूंदाबांदी और तेज हवाएं चल रहीं हैं। वाराणसी में तेज बारिश हुई। इसके अलावा, बरेली में भी बादल छाए हैं। छिटपुट बरसात हो रही है। मौसम विभाग ने शनिवार को पूरे यूपी में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। बीते 24 घंटे की बात की जाए तो प्रदेश में 21 जिलों में बारिश हुई। बहराइच में सबसे ज्यादा 34 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, गुरुवार शाम को गाजीपुर में ओले गिरे तो लखनऊ, मेरठ, नोएडा और गाजियाबाद में बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज यानी शुक्रवार से 28 मई तक आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। गुरुवार को यूपी में बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा राज तरुण ऑफसेट, एल.जी.एफ. 4-5, अंसल सिटी सेन्टर, निकट यू. पी. प्रेस क्लब, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 499/1, विनय विहार कालोनी, इन्दिरा नगर, निकट-बी.आर. इंटरनेशनल स्कूल, पो. सीमैप, लखनऊ-226015 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
विशेष संवाददाता
सुनील कुमार सिंह
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।